UNIVERSITY NEWS 03 AUGUST 2026

HINDUSTAN

पीएचडी प्रवेश के लिए अब सात अगस्त तक आवेदन

लखनऊ, संवाददाता। एलयू में शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया जारी है। जिसके तहत अब आवेदन करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। इस बाबत एलयू प्रशासन के प्रवेश प्रकोष्ठ की ओर से जारी आधिकारिक नोटिस भी जारी कर दी गई है। पीएचडी पाठ्यक्रमों की रिक्त सीटों के ऑनलाइन आवेदन सात अगस्त तक किए जा सकते हैं। www.lkouniv.ac.in पर जाकर समर्थ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर अनित्य गौरव के मुताबिक, इस बार का पीएचडी सत्र बेहद खास होने जा रहा है क्योंकि विश्वविद्यालय प्रशासन नियमित और अंशकालिक दोनों ही माध्यमों से शोधार्थियों को अवसर प्रदान कर रहा है। इसके साथ ही विवि कैंपस के विभिन्न विभागों के साथ लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों में रिक्त चल रही सीटों को भी इस प्रवेश

शुल्क विवरण और श्रेणियां

आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन रखा गया है। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के आवेदकों के लिए आवेदन शुल्क 2000, अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और दिव्यांग श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए यह शुल्क ₹1000 देय होगा।

प्रक्रिया में समाहित किया गया है। विवि की ओर से पहली बार इंजीनियरिंग, फार्मेसी और टूरिज्म स्टडीज में भी पीएचडी का मौका दिया गया है। इंजीनियरिंग संकाय के अंतर्गत मैकेनिकल व इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में आठ-आठ सीट, इलेक्ट्रिकल में दो, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में 30 और अप्लाइड साइंट एंड ह्यूमैनिटीज में 12 सीटों पर प्रवेश के लिए आवेदन मांगे गए हैं।

नियमित एवं पार्ट टाइम सीटों का विभागवार ब्योरा

विषय	नियमित	पार्ट	विषय	नियमित	पार्ट
प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व	19	13	फ्रेंच	08	07
मानवशास्त्र	14	1	भूगोल	15	00
व्यावहारिक अर्थशास्त्र	34	10	भूगर्भ विज्ञान0	06	02
अरब कल्चर	15	2	हिन्दी	47	23
अरेबिक	4	5	पत्रकारिता एवं जनसंचार	02	00
जैवरसायन	7	3	विधि	40	66
वनस्पति विज्ञान	35	6	लाइब्रेरी साइंस	03	04
रसायन विज्ञान	68	11	प्रबंध अध्ययन	80	59
वाणिज्य	67	10	गणित	21	01
अर्थशास्त्र	56	10	एमआईएच	18	00
शिक्षाशास्त्र	50	24	प्राच्य संस्कृत	01	02
अंग्रेजी	30	00	दर्शनशास्त्र	10	02
			भौतिक विज्ञान	67	16
			राजनीति विज्ञान	60	00

HINDUSTAN

तैयारी | शैक्षणिक सत्र 2026-27 में शिक्षकों के लिए एआई पर व्यापक पहल शुरू की जा रही

एलयू शिक्षकों को एआई में बनाया जाएगा दक्ष

लखनऊ, संवाददाता। उच्च शिक्षा में डिजिटल परिवर्तन को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय अपने और संबद्ध कॉलेजों के शिक्षकों को एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) में दक्ष बनाएगा। शैक्षणिक सत्र 2026-27 में शिक्षकों के लिए एआई पर व्यापक पहल शुरू की जा रही है। इसके लिए विवि के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के अंतर्गत 'उच्च शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र' की स्थापना की जाएगी। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के दौरान फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, बूट कैंप, प्रैक्टिकल वर्कशॉप्स और सर्टिफिकेशन कोर्स का आयोजन किया जाएगा।

शिक्षकों को शिक्षण, अनुसंधान, नवाचार और शैक्षणिक प्रशासन में एआई को प्रभावी ढंग से एकीकृत करने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। विज्ञान, वाणिज्य, प्रबंधन, कला, मानविकी, सामाजिक विज्ञान, विधि, शिक्षा, इंजीनियरिंग और अन्य व्यावसायिक विषयों के शिक्षकों को आधुनिक तकनीक से लैस किए जाने की योजना है। इन सभी प्रयासों को संस्थागत रूप देने के लिए विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के अंतर्गत 'उच्च शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र' की स्थापना की जाएगी। यह केंद्र एआई प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समन्वय करेगा और समर्थ एलएमएस पर एआई-सक्षम ऑनलाइन पाठ्यक्रमों को तैयार करेगा।

ये कार्यक्रम होंगे

1. एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम
2. पांच दिवसीय अल्पकालिक पाठ्यक्रम
3. 1 व 2-दिवसीय व्यावहारिक कार्यशालाएं और एआई बूट कैंप
4. मास्टर ट्रेनर और उन्नत प्रमाणन कार्यक्रम

इन तकनीक में प्रशिक्षण

मशीन लर्निंग, जेनरेटिव एआई, प्राम्प्ट इंजीनियरिंग, डिजिटल कंटेंट क्रिएशन, एआई असिस्टेड रिसर्च, लर्निंग एनालिटिक्स, चैटजीपीटी, गूगल जेमिनी, माइक्रोसॉफ्ट, क्लाउड, नोटबुक एलएम, नैपकिन एआई, कर्सरएस और कनेक्टेड पेपर्स जैसे आधुनिक टूल्स पर प्रशिक्षण होगा।

"कृत्रिम बुद्धिमत्ता ज्ञान और व्यावसायिक अभ्यास के हर क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रही है। यह अनिवार्य है कि हमारे शिक्षकों को नवीनतम दक्षताओं से सुसज्जित किया जाए।"
-प्रो. जेपी सैनी, कुलपति, एलयू

AAJ

अब एलयू के शिक्षक होंगे कृत्रिम बुद्धिमत्ता में सक्षम

लखनऊ। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यूजीसी द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप लखनऊ विश्वविद्यालय ने शिक्षकों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर व्यापक प्रशिक्षण की घोषणा की है। इस संबंध में कुलपति प्रो जे पी सैनी ने बताया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से शिक्षण-अनुसंधान समृद्ध होगा और छात्र डिजिटल युग के लिए तैयार होंगे। उन्होंने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 में विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों के लिए एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम, पांच दिवसीय अल्पकालिक पाठ्यक्रम, एक से दो दिन की कार्यशालाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता बूट शिविर आयोजित होंगे। इसमें शिक्षकों को मशीन अधिगम, जनरेटिव कृत्रिम बुद्धिमत्ता, संकेत अभियंत्रण के साथ चैटजीपीटी, गूगल जेमिनी, माइक्रोसॉफ्ट कोपायलट, कैनवा कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उपकरणों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

SWATANTRA BHARAT

नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति : योगेंद्र उपाध्याय

नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प अभियान का शुभारंभ

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प अभियान' के राष्ट्रीय शुभारंभ के अवसर पर रविवार को उत्तर प्रदेश के सभी राज्य एवं निजी विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में उनके प्रेरक संबोधन का सजीव प्रसारण किया गया। इस अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं माय भारत के सहयोग से देशभर में व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें हजारों छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नशामुक्त एवं विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री के संदेश को आत्मसात करते हुए नशामुक्त भारत की शपथ ली। साथ ही स्वयं नशे से दूर रहने तथा परिवार, समाज और अपने आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। प्रदेशभर के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में पोस्टर प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, जागरूकता रैली, संवाद कार्यक्रम, शपथ ग्रहण एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया।'हम सबका एक ही नारा-नशा मुक्त हो देश हमारा', 'युवा होंगे नशा मुक्त, भारत बनेगा विकसित' तथा 'नशा छोड़ो, परिवार से नाता जोड़ो' जैसे नारों के माध्यम से विद्यार्थियों ने समाज को जागरूक करने का संदेश दिया। पूरे प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में अभियान को लेकर उत्साह, जनभागीदारी और सकारात्मक वातावरण देखने को मिला। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति हैं। उत्तर प्रदेश का प्रत्येक विश्वविद्यालय और महाविद्यालय राष्ट्र निर्माण का सशक्त केंद्र बनेगा। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), वॉलंटियर्स, शिक्षक और विद्यार्थी इस अभियान के अग्रदूत बनकर गांव-गांव और शहर-शहर तक नशामुक्ति का संदेश पहुंचाएंगे। उन्होंने बताया कि यह केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि अगले 100 सप्ताह तक चलने वाला जन-आंदोलन है। प्रत्येक रविवार विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, एनएसएस, वॉलंटियर्स, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, जनप्रतिनिधियों तथा नागरिक समाज की सहभागिता से व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसके माध्यम से नशे से प्रभावित युवाओं को परामर्श, उपचार, पुनर्वास और मुख्यधारा से जोड़ने का निरंतर प्रयास किया जाएगा। उच्च शिक्षा मंत्री ने प्रदेश के सभी कुलपतियों, प्राचार्यों एवं शिक्षकों से अधिक से अधिक युवाओं का माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण सुनिश्चित कराने का आह्वान करते हुए कहा कि जब समाज, शिक्षण संस्थान और युवा शक्ति एक साथ संकल्प लेते हैं तो परिवर्तन निश्चित होता है। उन्होंने सभी से अगले 100 सप्ताह तक इस अभियान को जन-जन का आंदोलन बनाने और नशामुक्त, स्वस्थ, सशक्त एवं विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

तकनीक और पारदर्शिता को बढ़ावा देने पर चर्चा

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के 69वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में नीति आयोग के सदस्य प्रो. अभय करंदीकर और उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी मौजूद रहीं। कुलपति कार्यालय सेकंड कैंपस के डॉ. देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि समारोह में विश्वविद्यालय ने तकनीक और पारदर्शिता को बढ़ावा देते हुए ई-ऑफिस प्रणाली की शुरुआत की। कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी के नेतृत्व में आयोजित समारोह में 1,25,239 विद्यार्थियों को डिजिटल माध्यम से उपाधियां दी गईं। 111 मेधावी छात्र-छात्राओं को 204 स्वर्ण पदकों से सम्मानित किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय में ई-ऑफिस प्रणाली की शुरुआत भी की गई। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा और वित्त अधिकारी हिमानी चौधर समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

NBT

LU में क्लास से रिसर्च तक बदलेगा पढ़ाई का अंदाज़

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से सभी कोर्सों में एआई को शामिल किया गया है। कॉमर्स से लेकर मैनेजमेंट तक में एआई पढ़ाया जा रहा है। लेकिन इतनी संख्या में एआई के शिक्षक एलयू में नहीं है। ऐसे में अब पुरानी फैकल्टी के लिए एलयू ने एआई प्रोग्राम शुरू किया गया है। इस प्रोग्राम के तहत विवि व संबद्ध कॉलेजों के शिक्षकों को आर्टिफिशल इंटेलिजेंस की ट्रेनिंग दी जाएगी। इससे शिक्षक न सिर्फ छात्रों को बेहतर ढंग से पढ़ा सकेंगे बल्कि शोध और प्रशासनिक कार्य को भी बेहतर कर सकेंगे।

शिक्षको को दी जाएगी AI की ट्रेनिंग

प्रशिक्षण का विषय 'एआई-सक्षम उच्च शिक्षाः शिक्षण, अनुसंधान, नवाचार और शैक्षणिक प्रशासन के लिए शिक्षकों को सशक्त बनाना' रखा गया है। इसमें एक सप्ताह का फैकल्टी डिवलपमेंट प्रोग्राम, पांच दिवसीय शॉर्ट-टर्म कोर्स, एक और दो दिवसीय प्रयोगिक कार्यशालाएं, एआई बूट कैंप तथा मास्टर ट्रेनर एवं अडवांस सर्टिफिकेशन कार्यक्रम शामिल है।

AMRIT VICHAR

विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत हैं नशामुक्त युवा

यूपी के विश्वविद्यालयों में शुरू हुआ 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प अभियान'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार, लखनऊ : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर रविवार को प्रदेश के सभी राज्य एवं निजी विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प अभियान' का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर प्रधानमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना और माय भारत के सहयोग से आयोजित कार्यक्रमों में हजारों छात्र-छात्राओं ने नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लिया।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अगले 100 सप्ताह तक जनआंदोलन के रूप में चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक रविवार शिक्षण संस्थानों, एनएसएस, माय भारत वॉलंटियर्स, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों की भागीदारी से नशे के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मंत्री ने सभी कुलपतियों, प्राचार्यों और शिक्षकों से अधिक से अधिक युवाओं का माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण कराने और अभियान को व्यापक स्तर पर पहुंचाने की अपील की।

लखनऊ विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में पीएम मोदी के संबोधन के लाइव प्रसारण को देखते लोग।

AMRIT VICHAR

नया पाठ्यक्रम | तीन चरणों में होंगे दाखिले, जेआरएफ-नेट अभ्यर्थियों को लिखित परीक्षा से मिलेगी छूट

लविवि में इंजीनियरिंग, फार्मेसी, टूरिज्म में भी पीएचडी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2026-27 से इंजीनियरिंग, फार्मेसी और टूरिज्म में भी पीएचडी की जा सकेगी। इसके लिए प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। विवि प्रशासन ने आवेदन करने की अंतिम तिथि 7 अगस्त तक कर दी है। प्रवेश प्रकोष्ठ इस इस संबंध में नोटिस भी जारी कर दिया है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर समर्थ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

प्रवेश समन्वयक प्रो. अनित्य गौरव के मुताबिक, विश्वविद्यालय प्रशासन नियमित और अंशकालिक दोनों ही माध्यमों से शोधार्थियों को अवसर प्रदान कर रहा है। लविवि से संबद्ध कॉलेजों की रिक्त चल रही सीटों को भी इस प्रवेश प्रक्रिया में समाहित किया गया है। अभ्यर्थी आवेदन फॉर्म सबमिट करने से पहले विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध पीएचडी अध्यादेश 2026 और नोटिस के साथ जारी गाइडलाइंस को अवश्य पढ़ लें। उन्होंने बताया कि इंजीनियरिंग संकाय के अंतर्गत मैकेनिकल व इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में आठ-आठ सीट, इलेक्ट्रिकल में दो, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में 30 और अप्लाइड साइंट एंड ह्यूमैनिटीज में 12 सीटों पर प्रवेश के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इसी तरह फार्मास्युटिकल साइंसेज में नियमित 26, अंशकालिक पांच और टूरिज्म स्टडीज की नियमित चार व अंशकालिक की एक सीट है। विवि के 43 विभागों की 1434 पीएचडी की सीटें हैं। इसमें 578 नियमित और 374 सीटें अंशकालिक हैं, जबकि कॉलेजों में 482 सीटें नियमित हैं।

शुल्क विवरण- श्रेणियां

■ आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन है। विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंडों के तहत सामान्य, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के आवेदकों के लिए आवेदन शुल्क 2 हजार रुपये तय किया गया है। अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और दिव्यांग श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए यह शुल्क 1 हजार रुपये देय होगा।

विषय वार सीटों का ब्योरा

विषय	नियमित	पार्टटाइम	विषय	नियमित	पार्टटाइम	विषय	नियमित	पार्टटाइम
प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व	19	13	फ्रेंच	8	7	शारीरिक शिक्षा	21	0
मानवशास्त्र	14	1	भूगोल	15	0	भौतिक विज्ञान	67	16
व्यावहारिक अर्थशास्त्र	34	10	भूगर्भ विज्ञान	6	2	राजनीति विज्ञान	60	0
अरब कल्चर	15	2	हिन्दी	47	23	मनोविज्ञान	13	0
अरेबिक	4	5	पत्रकारिता एवं जनसंचार	0	2	लोक प्रशासन	0	17
जैवरसायन	7	3	विधि	40	66	पब्लिक हेल्थ	0	2
वनस्पति विज्ञान	35	6	लाइब्रेरी साइंस	3	4	संस्कृत	28	20
रसायन विज्ञान	68	11	प्रबंध अध्ययन	80	59	समाज कार्य	20	09
वाणिज्य	67	10	गणित	21	1	समाजशास्त्र	52	33
अर्थशास्त्र	56	10	एमआईएच	18	0	सांख्यिकी	7	8
शिक्षाशास्त्र	50	24	प्राच्य संस्कृत	1	2	वेस्टर्न हिस्ट्री	3	2
अंग्रेजी	30	0	दर्शनशास्त्र	10	2	प्राणिशास्त्र	49	0

HINDUSTAN TIMES

LU to train faculty in AI across disciplines

LUCKNOW: The University of Lucknow will launch a comprehensive Artificial Intelligence (AI) training initiative for faculty members and teachers of affiliated colleges during the 2026-27 academic session. Aligned with National Education Policy (NEP) 2020 and University Grants Commission's (UGC) digital transformation goals, the programme will offer faculty development courses, workshops, AI boot camps and certification at four levels. Teachers will receive hands-on training in tools such as ChatGPT, Google Gemini, Microsoft Copilot and other AI platforms. The university will also establish a Centre for Artificial Intelligence in Higher Education (CAIHE) to coordinate training and develop AI-enabled courses on the Samarth LMS platform.

DAINIK JAGRAN

लखनऊ विश्वविद्यालय में स्थापित होगा एआइ केंद्र

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय अपने परिसर के साथ-साथ कालेजों के शिक्षकों को भी एआइ में दक्ष बनाएगा। इसके लिए कंप्यूटर विज्ञान विभाग के अंतर्गत उच्च शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र की स्थापना की जाएगी। यह केंद्र एआइ प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समन्वय करेगा और समर्थ लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम पर एआइ सक्षम आनलाइन पाठ्यक्रमों का विकास करेगा। विश्वविद्यालय ने इसकी कार्ययोजना बनाई है।

लवि प्रशासन के अनुसार विज्ञान, प्रबंधन, इंजीनियरिंग, फार्मेसी सहित अन्य विषयों के शिक्षकों को मशीन लर्निंग, जेनरेटिव एआइ इंजीनियरिंग, डिजिटल कंटेंट क्रिएशन जैसे आधुनिक टूल्स का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने बताया कि यह अनिवार्य है कि हमारे शिक्षकों को नवीनतम एआइ दक्षताओं से सुसज्जित किया जाए।

I NEXT

पीएचडी की सीटें बढ़ीं, ज्यादा एडमिशन का चांस

एलयू में फुल टाइम सीटें हुईं 1114, पार्ट टाइम की संख्या 466 पहुंची

LUCKNOW (2 Aug): लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2026-27 में होने वाले पीएचडी प्रवेश के लिए फुल टाइम और पार्ट टाइम की सीटों में इजाफा कर दिया है. इसके तहत 51 विषयों में फुलटाइम की 33 और पार्ट टाइम की 61 सीटें मिलाकर यह संख्या 1487 की जगह अब 1580 पहुंच गई है.

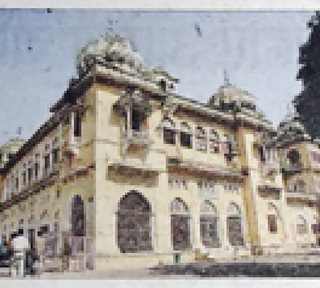

फुल टाइम के इन विषयों में बढ़ी सीटें

विषय	पहले सीटें	बढ़ने के बाद सीटें
गणित	21	23
केमिस्ट्री	66	76
कामर्स	65	67
एजुकेशन	50	52
ला	40	44
संस्कृत	28	34

अधिक स्टूडेंट्स को मौका

इस सुविधा से अधिक से अधिक अभ्यर्थियों को पीएचडी में प्रवेश का मौका मिलेगा. विश्वविद्यालय ने विषयवार सीटों का विवरण अपनी वेबसाइट पर भी जारी करते हुए आनलाइन आवेदन की तिथि 30 जुलाई से बढ़ाकर अब सात अगस्त कर दी है.

नोटिफिकेशन जारी किया

प्रवेश समन्वयक प्रो. अनित्य गौरव ने तिथि बढ़ाने का नोटिफिकेशन जारी किया है. सबसे अधिक फुल टाइम में मैनेजमेंट स्टडीज की 87, केमिस्ट्री 76, फिजिक्स 70, पालीटिकल साइंस 60, कामर्स 67 और इकोनामिक्स की 56 सीटें हैं.

पार्ट टाइम में इनमें बढ़ी संख्या

पहले पार्ट टाइम के अंग्रेजी विषय में एक भी सीट नहीं थी. अब 47 सीटें तय हुई हैं. वहीं, फ्रेंच में सात से नौ, ला में 66 से 70, लाइब्रेरी एंड इंफार्मेशन साइंस की चार से बढ़कर पांच सीटें हो गई. मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास में तीन और फिजिकल एजुकेशन में चार सीटों पर एडमिशन होंगे. पहले जारी सूची में इन दोनों विषयों में एक भी पार्ट टाइम पीएचडी की सीट नहीं थी.

हॉस्टल आवंटन की सूची जारी की गई

LUCKNOW: एलयू ने पांचवें सेमेस्टर के स्टूडेंट्स के लिए हॉस्टल आवंटन की सूची जारी कर दी है. इसके तहत चंद्रशेखर आजाद हॉस्टल में बीएससी बायो की 18, बीएससी मैथ्स की 26 छात्राएं, हबीबुल्लाह हॉस्टल में बीएससी बायो के 14, बीएससी मैथ्स के 36 छात्र शामिल हैं. इन सभी को हॉस्टल की फीस जमा करने के लिए छह अगस्त तक समय दिया है.

छूटे स्टूडेंट्स के प्रैक्टिकल एग्जाम 10 को

एलयू बीए छठे सेमेस्टर फिजिकल एजुकेशन के छूटे स्टूडेंट्स के प्रैक्टिकल एग्जाम 10 अगस्त को सुबह 10 बजे आयोजित करेगा. स्टूडेंट्स को निर्धारित डेट पर तय समय से आधे घंटे पहले एलयू के छत्रपति शिवाजी मैदान में उपस्थित होने के लिए कहा है. वेबसाइट पर इसकी सूचना जारी की गई है.

TOI

LU's AI training programme for teachers

Lucknow: Lucknow University (LU) has announced an artificial intelligence (AI) capacity-building programme for faculty members of the university and its affiliated colleges for the 2026-27 academic session. Under the theme, 'AI-Enabled Higher Education: Empowering Faculty for Teaching, Research, Innovation and Academic Administration', the university will organise week-long faculty development programmes (FDPs), five-day short-term courses, one- and two-day hands-on workshops, AI boot camps, and advanced certification and master trainer programmes. TNN

DAINIK JAGRAN

पीएचडी की सीटें बढ़ीं, अब ज्यादा प्रवेश का मौका

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2026-27 में होने वाले पीएच.डी प्रवेश के लिए फुल टाइम और पार्ट टाइम की सीटों में इजाफा कर दिया है। इसके तहत 51 विषयों में फुलटाइम की 33 और पार्ट टाइम की 61 सीटें मिलाकर यह संख्या 1487 की जगह अब 1580 पहुंच गई है। इस सुविधा से अधिक से अधिक अभ्यर्थियों को पीएच.डी में प्रवेश का मौका मिलेगा। विश्वविद्यालय ने विषयवार सीटों का विवरण अपनी वेबसाइट पर भी जारी करते हुए आनलाइन आवेदन की तिथि 30 जुलाई से बढ़ाकर अब सात अगस्त कर दी है। प्रवेश समन्वयक प्रो. अनित्य गौरव ने तिथि बढ़ाने का नोटिफिकेशन जारी किया है। सबसे अधिक फुल टाइम में मैनेजमेंट स्टडीज की 87, केमिस्ट्री 76, फिजिक्स 70, पालीटिकल साइंस 60, कामर्स 67 और इकोनामिक्स की 56 सीटें हैं।

1580 सीटें हुई फुलटाइम व पार्ट टाइम मिलाकर

फुल टाइम में बढ़ीं सीटें

विषय	पूर्व सीटें	बढ़ी संख्या
गणित	21	23
केमिस्ट्री	66	76
कामर्स	65	67
एजुकेशन	50	52
ला	40	44
इतिहास	18	20
संस्कृत	28	34

पार्ट टाइम में इनमें बढ़ी संख्या

पहले पार्ट टाइम के अंग्रेजी विषय मे एक भी सीट नही थी। अब 47 सीटें तय हुई है। वहीं, फ्रेंच मे सात से नौ, ला मे 66 से 70, लाइब्रेरी एंड इंफार्मेशन साइंस की चार से बढ़कर पांच सीटें हो गई। इसके अलावा मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास मे तीन और फिजिकल एजुकेशन मे चार सीटों पर प्रवेश होंगे। पहले जारी सूची मे इन दोनों विषय मे एक भी पार्ट टाइम पीएच.डी की सीट नही थी।

AMRIT VICHAR

लविवि शिक्षकों को मिलेगा एआई प्रशिक्षण

■ अमृत विचार, लखनऊ : उच्च शिक्षा में डिजिटल बदलाव को बढ़ावा देने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय शैक्षणिक सत्र 2026-27 से अपने और संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का प्रशिक्षण देगा। इसके लिए कंप्यूटर विज्ञान विभाग के अंतर्गत 'उच्च शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र' स्थापित किया जाएगा। विश्वविद्यालय की ओर से फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, बूट कैंप, व्यावहारिक कार्यशालाएं और सर्टिफिकेशन कोर्स आयोजित किए जाएंगे। शिक्षकों को शिक्षण, अनुसंधान, नवाचार और शैक्षणिक प्रशासन में एआई के प्रभावी उपयोग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस पहल में विज्ञान, वाणिज्य, प्रबंधन, कला, मानविकी, सामाजिक विज्ञान, विधि, शिक्षा, इंजीनियरिंग, फार्मेसी, पत्रकारिता, ललित कला समेत विभिन्न विषयों के शिक्षक शामिल होंगे।